



REET 2025

LEVEL-2



वंदन बैच

POLITY

मूल अधिकार

Part -3

LIVE

03-01-2024 07:00 PM



अनु. 15(3) → राज्य महिला एवं बच्चों के लिए विशेष प्रावधान कर सकता है।

मूल संविधान में अनु. 15(1), (11), (111) ही शामिल थे 15(4) (5) व 15(6) को संविधान संशोधन करके जोड़ा गया है।

अनु. 15(4) → राज्य अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति और सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए विशेष प्रावधान

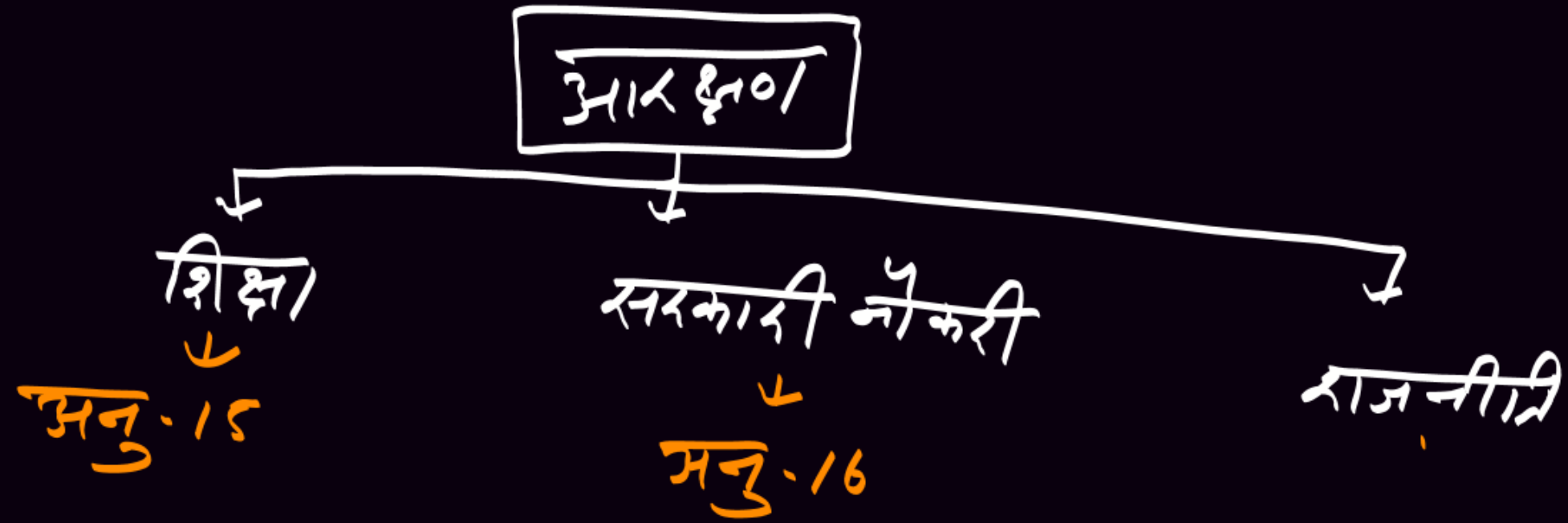
1st संविधान संशोधन - 1951

अनु. 15(5) - राज्य अनुसूचित जाति एवं जनजाति और सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग के लोगों को (सरकारी + प्राइवेट) संस्थानों प्रवेश हेतु प्रावधान

93वां संविधान संशोधन 2005

अनु. 15(6) → आर्थिक आधार पर कमजोर वर्गों को [EWS] 10% आरक्षण

103वां संविधान संशोधन - 2019



अनु. 16 लोक नियोजन व नियुक्ति में अवसर की समानता

16 (1) → राज्य लोक नियोजन व नियुक्ति में अवसर की समानता प्रदान करेगा

16(2) → लोक नियोजन व नियुक्ति में राज्य धर्म, जाति, लिंग, जन्मस्थान, उद्भव, मूलवंश व निवास में साधार पर भेदभाव नहीं करेगा।

* जहाँ मनु-15(1) में S साधारों पर भेदभाव का निषेध था वही मनु-16(2) में 7 साधारों [S + उद्भव + निवास] पर भेदभाव का निषेध

मनु-16(3) → संसद विधि बनाकर राज्य क्षेत्र व संघ राज्य क्षेत्र में मद्यिक सेवाओं में निवास में साधार पर प्रावधान कर सकती हैं।

अनु. 16(4) → राज्य पिछड़े वर्ग को लोक नियोजन व नियुक्ति में भारक्षण की व्यवस्था कर सकता है।

अनु. 340 - राष्ट्रपति पिछड़े वर्ग की पहचान के लिए एक आयोग का गठन करेगा।

① → काका कालेलकर आयोग - 1953 → असमल

⑪ B.P. मॉडल [विन्देश्वरी प्रसाद मॉडल] → 1979

समाज में पिछड़े लोग - पिछड़ा वर्ग

समाज में अगड़े लोग → अग्रवा वर्ग

* अन्य पिछड़ा वर्ग (27%) आरक्षण

* 1990 → V.P. सिंह सरकार ने OBC को को 27% आरक्षण दिया

→ P.V. नरसिम्हा राव ने 10% आर्थिक आधार पर आरक्षण

इन्दिरा साहनी वाद → 1992

- आरक्षण 50% से अधिक नहीं होना चाहिए
- OBC का आरक्षण वैध है
- 10% आर्थिक आधार पर आरक्षण रद्द कर दिया।

अनु. 16(5)

किसी पद हेतु यदि किसी धार्मिक या सामुदायिक आधार पर निपुणता की जाँची है तो वह इस अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं माना जायेगा।

अनु. 16(6) → लोक नियोजन व नियुक्ति में 10% आर्थिक आछाद पर या कमजोर वर्गों को [EWS] आरक्षण दिया जायेगा,

→ 103 वा संविधान संशोधन - 2019

अनु. 17 → असह्यता का अन्त [धुमाधुन का अन्त]

अनु. 18 → शिक्षा व सेना को छोड़कर कोई भी व्यक्ति उपाधि धारण नहीं कर सकता।